वॉल स्ट्रीट का ड्रेस कोड

वॉल स्ट्रीट सागा

वॉल स्ट्रीट मानता है कि हर कमरे का एक ड्रेस कोड होता है।

सूट। टाई। चमकते जूते।

स्वीकृत भाषा। स्वीकृत महत्वाकांक्षाएं। स्वीकृत सपने।

जो कोई नहीं समझाता, वह यह है कि ड्रेस कोड कभी सत्ता की पहचान के लिए नहीं बनाया गया था।

यह अपनेपन की पहचान के लिए बनाया गया था।

सूट पहना आदमी कमरे से कहता है: "मुझे नियम पता हैं।"

बिना सूट के आने वाला आदमी एक अधिक खतरनाक सवाल पूछता है: "इन्हें लिखा किसने?"

जौड़तर करियर अनुकूलन से बनते हैं।

भाषा सीखो। रीति-रिवाज़ सीखो। पदानुक्रम सीखो।

जानो कब बोलना है। जानो कब चुप रहना है।

फिर तीस साल बिताओ उसे आज़ादी कहते हुए।

लेकिन हर बाज़ार को आखिरकार एक अलड़ प्रजाति से सामना होता है।

कोई एसा व्यक्ति जिसके पास पहले से ही कुछ एसा है जो बाज़ार जारी नहीं कर सकता।

पहचान।

वह व्यक्ति प्रबंधित करना मुश्किल हो जाता है। वर्गीकृत करना मुश्किल। खड़ीदना मुश्किल।

क्योंकि संस्थाएं हितों के साथ बातचीत करती हैं।

वे मान्यताओं से जूझती हैं।

आश्चर्य की बात यह नहीं कि वॉल स्ट्रीट अनुरूपता को पुरस्कृत करता है।

आश्चर्य की बात यह है कि अनुरूपता कितनी बार खुद को ताकत समझ बैठती है।

असली शक्ति तब प्रकट होती है जब किसी व्यक्ति को अब उस पोशाक की ज़रूरत नहीं रहती।

उस पल, कमरा बदल जाता है।

इसलिए नहीं कि नियम गायब हो गए।

इसलिए कि आखिरकार कोई बिना अनुमति माँगे भीतर चला आया।

Ferdinando Frega